प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने वाराणसी के जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार से टेलीफोन पर बाढ़ की स्थिति और राहत शिविरों में व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। प्रधानमंत्री ने जिलाधिकारी वाराणसी से गंगा के बढ़ते जलस्तर, विभिन्न घाटों पर पानी की स्थिति, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों तथा जिला प्रशासन एवं नगर निगम की ओर से चलाए जा रहे राहत व बचाव कार्यों के बारे में फीडबैक लिया।

जब गंगा जी में जलस्तर बढ़ता है तो बैकफ्लो से वाराणसी में जो वरुणा नदी के किनारे के मोहल्ले हैं, उसमें हमारे मोहल्लों में घरों तक पानी पहुँच जाता है और करीब शहर के 15 वार्ड प्रभावित होते हैं। तो वर्तमान में यही स्थिति बनी हुई है जिसमें करीब 17 बाढ़ राहत शिविर हमारे संचालित किए जा रहे हैं और उसमें करीब 1800 लोग हैं जो आज की डेट में, वर्तमान में बाढ़ राहत शिविरों में रह रहे हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा भी जो यहाँ की बाढ़ की स्थिति है, उसके बारे में संपूर्ण जानकारी प्राप्त की गई है और यह निर्देश दिया गया है कि जो बाढ़ राहत बचाव का कार्य है वो युद्ध स्तर पर चलाया जाए। किसी को किसी प्रकार की कोई समस्या ना आए, यह सुनिश्चित कराया जाए।

प्रधानमंत्री ने वाराणसी के महापौर अशोक तिवारी से भी फोन पर बातचीत कर बाढ़ की स्थिति का फीडबैक लिया।

भारत के प्रधानमंत्री माननीय प्रधानमंत्री जी का अपने संसदीय क्षेत्र के बाढ़ से संबंधित चीजों के बारे में फोन आया कि क्या स्थिति है काशी की। गंगा जी का पानी कहाँ–कहाँ बढ़ा है? गंगा जी का पानी अस्सी घाट पर कितना पहुँचा, रविदास गेट पर कितना पहुँचा, भेलूपुरिया कितना है, नमो घाट कितना? तो मुझे लगता है माननीय प्रधानमंत्री जी को हमसे अधिक अपने संसदीय क्षेत्र के बारे में जानकारी है। और उन्होंने दिशा–निर्देश भी दिया कि सभी पार्षद, सभी जनप्रतिनिधियों के साथ सामंजस्य बना के, जिला प्रशासन के साथ जुड़ के काम करिए आप लोग।

इस बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी आज फर्रुखाबाद जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। उन्होंने राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने प्रभावित लोगों के बीच जमीन के पट्टे और राहत सामग्री का वितरण किया।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल अपने सरकारी आवास पर एक उच्च स्तरीय बैठक में एचवन–एनवन और सिजनल इन्फ्लुएंजा की स्थिति की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में इन्फ्लुएंजा–ए की जांच सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में निःशुल्क कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिला अस्पतालों, सीएचसी, पीएचसी और मेडिकल कॉलेजों में जांच, दवा और इलाज की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा है। श्री योगी ने अधिक मामले वाले जिलों में निगरानी बढ़ाने और गंभीर मरीजों के लिए अलग आईसीयू वार्ड तैयार रखने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामान्य लक्षण वाले मरीज चिकित्सीय सलाह के अनुसार घर पर आराम और सेल्फ आइसोलेशन करें, जबकि गंभीर मरीजों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जाए। समाचार कक्ष से अरुण।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शिक्षक दिवस पर गोरखपुर में प्रदेश के कुल 81 शिक्षकों को राज्य अध्यापक पुरस्कार 2025 और मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार 2025 से सम्मानित करेंगे। इन अध्यापकों को विद्यालयों के उचित प्रबंधन, नवाचार और विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करने के लिए सम्मानित किया जाएगा।

****

भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा में जन्माष्टमी पर्व कल धूमधाम से मनाया जाएगा। वहां जन्माष्टमी पर पहली बार पांच सौ ड्रोन के जरिए आसमान में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म और उनकी विभिन्न लीलाओं को जीवंत किया जाएगा। यह शो कल रात करीब नौ बजे से शुरू होगा। इस बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी आज मथुरा जिले के दौरे पर पहुंचे। वहां उन्होंने लगभग एक हजार इक्यावन करोड़ रुपये की दो सौ उनतीस विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम में हिस्सा लिया। हमारे मथुरा प्रतिनिधि ने बताया कि जन्माष्टमी पर्व को देखते हुए वहां पर प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए हैं।

****

श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के प्रथम मुख्य कार्यपालक अधिकारी और पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा आज अयोध्या पहुंचे। वहां महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर अपने स्वागत के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने चयन समिति को धन्यवाद दिया।

ये चयन समिति का धन्यवाद है, ट्रस्ट का धन्यवाद है और प्रभु राम... प्रभु श्री राम की कृपा है। माई हार्ट इज फुल ऑफ ग्रैटिट्यूड एंड आई कंसीडर माइसेल्फ द मोस्ट फॉर्च्यूनेट पर्सन टुडे टू हैव बीन गिवन दिस रिस्पॉन्सिबिलिटी ट्वाइस इन माई लाइफ। एक बार राष्ट्र सेवा के लिए और अभी श्री राम के मंदिर की और श्री राम भक्तों के लिए मंदिर के ऑर्गनाइजेशन और एडमिनिस्ट्रेशन के लिए।

****

चित्रकूट जिले के कर्वी थाना क्षेत्र के बराछ गांव में कल रात पहाड़ी के नीचे बने कच्चे मकान की दीवार गिर जाने से उसके मलबे में दब कर दो बच्चों सहित तीन लोगों की मौत हो गयी। हमारे चित्रकूट प्रतिनिधि ने बताया कि लगातार बारिश के बीच हुए इस हादसे में घायल महिला और उसकी बच्ची को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है।

****